

**B.A. (S-III)/H/2020 (Sanskrit)**

**B. A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2020 (CBCS)**

**Subject : Sanskrit**

**Paper : Sec-I**

**Time : 2 Hours**

**Full Marks : 40**

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

প্রশ্নপত্রের গ্রুপ- 'A' and Group-'B' ইতি বিভাগদ্বয় বর্ততে। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগো নিশ্চতব্যঃ। ততশ্চ যথানির্দেশং প্রশ্নাঃ সমাধাতব্যঃ।

এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' and Group-'B' -এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

**Group-A**

**Basic Sanskrit**

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু অষ্টানাং প্রশ্নানামুত্তরং প্রদেয়ম্। তেষু দ্বয়োঃ প্রশ্নয়োঃ সমাধানং সুরগিরা কর্তব্যম্।  
5×8=40  
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।
  - a) নিম্নলিখিতেষু পদেষু পঞ্চানাং পদানাং বচনং বিভক্তিঞ্চ নিরূপয়ত।  
1×5=5  
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।  
মধুনি, দগ্ধা, মতয়ে, দুহিতরি, সাধূন্, সখা, সৎ।
  - b) নিম্নলিখিতেষু পঞ্চানাং শব্দানাং সপ্তম্যৈকবচনরূপং লিখত।  
1×5=5  
নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি শব্দের সপ্তমী বিভক্তির একবচনের রূপ লেখো।  
পতি, ধেনু, পঞ্চন্, যুদ্ভদ, সুধী, ধাতৃ, ফল।
  - c) অধস্তনেষু পঞ্চানাং লঙি উত্তমপুরুষদ্বিবচনরূপং লেখনীয়ম্।  
1×5=5  
নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে-কোন পাঁচটি ধাতুর লঙ্-লকারের উত্তমপুরুষের দ্বিবচনের রূপ লেখো।  
পঠ, বৃৎ, ভূ, সেব্, কৃ, দা, জ্ঞা

**B.A. (S-III)/H/2020 (Sanskrit)**

- d) प्रदन्तेषु धातुरूपेषु पञ्चानां पुरुषां वचनषु निर्दिशत। 1×5=5  
निम्नलिखित धातुरूपগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি ধাতুরূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।  
জানীহি, শৃণুস্তি, দত্তঃ, লক্ষ্যে, অসেবেথাম্, অভবঃ, অগচ্ছত।
- e) ब्रह्मीलिप्यां तालव्यवर्णां लेख्याः। 5  
তালব্যবর্ণগুলি ব্রাহ্মীলিপিতে লেখো।
- f) अधोलिखितेषु पदेषु ब्रह्मीलिपिमाश्रित्य पञ्च पदानि लिख्यन्तम्। 1×5=5  
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।  
পিপাসতি, রাজপুরুষঃ, মাতাপিতরৌ, নদীমাতৃকঃ, যথশক্তি, বীণাপাণিঃ, জলাগমঃ।
- g) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः। 5  
সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।  
অন্ধকার দূরীভূত হয়েছে। সূর্যের আলো পৃথিবীতে ছড়িয়ে পড়েছে। আমরা সবকিছু দেখতে পাচ্ছি। এখন সকাল।  
পাখীরা কুজন করছে। গাছে গাছে ফুল ফুটেছে। আহা! সকাল কি মনোরম!
- h) मातृभाषायामनुवादयताम्।। 5  
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো  
সোহপি কর্কটস্তত্রৈব স্থিতঃ সন্ সর্পপ্রাণানপাহরৎ। ব্রাহ্মণোহপি যাবৎ প্রবুদ্ধঃ পশ্যতি তাবৎ সমীপে কৃষ্ণসর্পো  
নিজপার্শ্বে কর্পূরপুটিকোপরি মৃতস্তিষ্ঠতি। তং দৃষ্ট্বা ব্যচিন্তয়ৎ কর্কটেনায়ং হতঃ।
- i) सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या। 5  
সরল সংস্কৃতভাষায় ব্যাখ্যা করো  
মন্ত্রে তীর্থে দ্বিজে দেবে দৈবজ্ঞে ভেষজে গুরৌ।  
যাদৃশী ভাবনা यस্য সিদ্ধির্ভবতি তাদৃশী।।
- j) ब्रह्मदन्तः कुत्र प्रतिवसति स्म? स कथं ग्रामान्तरं प्रस्थितः? ग्रामयात्राकाले ब्रह्मदन्तो मात्रा कथमुपदिष्टः? 1+2+3=5  
ব্রহ্মদন্ত কোথায় বাস করত? সে কেন গ্রামান্তরে প্রস্থান করেছিল? গ্রামে গমনকালে মা ব্রহ্মদন্তকে কী উপদেশ দিয়েছিল?

Group-B

Ethical and Moral Issues

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु अष्टानां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः प्रश्नयोः समाधानं सुरगिरा कर्तव्यम्।  
5×8=40
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।
- a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः। 5  
मातृभाषाय अनुवाद करो  
प्राणा यथात्नानोहतीष्ठा भूतानामपि ते तथा।  
आञ्छोपम्येन भूतेषु दयां कुर्वन्ति साधवः॥
- b) व्याख्या कार्या— 5  
व्याख्या करो—  
असम्भवं हेममुगस्य जन्म  
तथापि रामो लुलुभे मृगाय।  
प्रायः समापन्नविपत्तिकाले  
धियोहपि पुंसां मलिना भवन्ति॥
- c) यथोपयुक्तं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि। 1×5=5  
यथोपयुक्त पद দিয়ে শূন্যস্থান পূরণ করো।  
(পুণ্যবান্, পরার্থে, পাপস্য, শরীরস্য, পশ্যতি)  
i) लोभः\_\_\_\_\_कारणम्।  
ii) \_\_\_\_\_ गुणानां दूरमत्यस्तमन्तरम्।  
iii) धनानि जीवितधैव\_\_\_\_\_ प्राञ्ज उत्सृजेत्।  
iv) यस्य मित्रेण সংলাপস্ততো নাস্তীহ\_\_\_\_\_।  
v) आत्नवत् सर्वभूतेषु यः\_\_\_\_\_ स पण्डितः।
- d) 'लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं कः समर्थः' इति चिन्तनं केन कथं कृतम्? इति पठितकथामाधारीकृत्य वर्णयत। 1+4=5  
'लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं कः समर्थः'—এই চিন্তাটি কে কেন করেছে তা পঠিত কথাকে অনুসরণ করে বর্ণনা করো।

**B.A. (S-III)/H/2020 (Sanskrit)**

- e) 'तन्मे प्राणव्यायेनापि जीवयैतान् ममाश्रितान्' इत्युक्तिः केन कथं कृता? 1+4=5  
'तन्मे प्राणव्यायेनापि जीवयैतान् ममाश्रितान्'—এই উক্তিটি কে কেন করেছে?
- f) मातृभाषायामनुवादयताम्— 5  
मातृभाषाय अनुवाद करो।  
न बध्यस्ते ह्यविश्वस्ता बलिभिर्दुर्बला अपि।  
विश्वस्तस्त्वैव बध्यस्ते बलवस्तोऽपि दुर्बलैः॥
- g) व्याख्या करणीया। 5  
व्याख्या करो  
न तच्छस्त्रैर्नागेन्द्रैर्न ह्यैर्न पदातिभिः।  
कार्यं संसिद्धिमभ्येति यथा बुद्ध्या प्रसादितम्॥
- h) यथोपयुक्तं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि। 1×5=5  
यथोपयुक्त पद दिसे शून्यस्थान पूरण करो।  
(मनुना, प्रियदर्शनम्, चित्रास्तः, विश्वासः, नीरोगः)  
i) न\_\_\_\_\_बिना शङ्करदेवानामपि सिध्यति।  
ii) सर्वदेवमयो राजा\_\_\_\_\_सम्प्रकीर्तितः।  
iii) यथा नेच्छति\_\_\_\_\_कदाचिं सुचिकित्सकम्।  
iv) न कथंश्चिन्महीपस्य\_\_\_\_\_केनचिं कृचिं।  
v) अमृतं शिशिरे बहिरमृतं\_\_\_\_\_।  
i) 'पिङ्गलक आह सभयम्—सत्यं ज्ञातं मयाधुना'—इत्यत्र किं सत्यं पिङ्गलकेन ज्ञातम्? इति 5  
यथाग्रह्मालोचयत।  
'पिङ्गलक आह सभयम्—सत्यं ज्ञातं मयाधुना'— एখানে কোন সত্য পিঙ্গলকের দ্বারা জ্ঞাত হয়েছে তা গ্রহ্মানুসরণে আলোচনা করো।
- j) शृगालः कथं व्रस्तहृदयोऽहववः? 5  
शृगाल केन भय पेयेछिल?
-